''डॉ. धनसिंग चौधरी का बुक पढ़कर और उनकी व्ही.सी.डी. देखकर मुझे यह महसुस हुआ की वे किसिको भी शक्तिमान बना सकते है और अपने क्षेत्रमे कामयाबी की ओर ले जा सकते है । चाहे आप विद्यार्थी हो, नौकरी पेशा हो; व्यावसायी हो, या गृहीणी हो !''

- 'शक्तिमान' फेम

मा. श्री. मुकेश खन्ना

शक्तिमान

''डॉ. धनसिंग चौधरी का सम्मोहन क्षेत्र मे यह योगदान देखकर मै बहुत प्रभावित हुआ । महाभारत मे मैने गलती से गांधारी को 'शत पुत्रवती सौभाग्यवती भव' यह आशिर्वाद दे दिया था, और उन्ही शतपुत्रो की वजह से मुझे मृत्यू कि शैयापर लेटना पडा । लेकीन अगर वे पैदा होनेवाले शतपुत्र डॉ. धनसिंग चौधरी जैसे हो, तो मै आज भी किसी सौभाग्यवती को यह आशिर्वाद देना चाहूँगा,... शत पुत्रवती सौभाग्यवती भव ।''

- 'पितामह भिष्म' फेम

मा. श्री. मुकेश खन्ना